කැලණිය විශ්වවිද්‍යාලය - ශ්‍රී ලංකාව

දුරස්ථ සහ අඛණ්ඩ අධ්‍යාපන කේන්ද්‍රය

ශාස්ත්‍රවේදී (සාමාන්‍ය) උපාධි ප්‍රථම පරීක්ෂණය (බාහිර) - 2023

2025 අගෝස්තු

මානවශාස්ත්‍ර පීඨය

හින්දි - HIND 18224

අර්ථාවබෝධය හා ප්‍රකාශන ශක්‍යතාව

ප්‍රශ්න සංඛ්‍යාව : 05යි   කාලය පැය: 03යි

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

---

01. (क) निम्नलिखित शीर्षकों में से **किसी एक** पर **दस वाक्य** हिंदी में लिखिए। (10 अंक)

(क) हमारे देश का सबसे सुंदर गाँव, मेरा गाँव है

(ख) पुस्तकालय हमें ज्ञान प्रदान करता है

(ग) माँ, घर की रानी है

अथवा

(ख) विश्वविद्यालय से जानेवाली उल्लास–यात्रा में भाग लेने हेतु अनुमति माँगते हुए अपने पिता के नाम पर एक चिट्ठी लिखिए।

02. (क) निम्नलिखित गद्यांश का सिंहली में अनुवाद कीजिए। (10 अंक)

एक किसान था। उसके घर के आँगन में पीपल का बहुत बड़ा पेड़ था। पेड़ उसके दादा जी ने लगवाया था। इस घने पेड़ की छाँव दूर तक फैल जाती है। पेड़ की ठंडी छाँव में किसान अपनी दोपहर बिताता। इस पेड़ के नीचे विश्राम करना उसे बहुत अच्छा लगता। पर वह बडा ही स्वार्थी था। जैसे ही इस पेड़ के छाँव में बैठने के लिए कोई

आता तो वह उसे तुरंत भगा देता। जानवर तो जानवर, लेकिन किसी व्यक्ति को भी वह इस पेड़ की छाँव में बैठने नहीं देता। पक्षियों ने भी इस पेड़ पर घोंसला बनाने की कोशिश की, पर किसान ने उन्हें कभी घोंसला बनाने ही नहीं दिया।

(ख) निम्नलिखित गद्यांश का हिंदी में अनुवाद कीजिए। (10 अंक)

හේශාන් - good morning නේහා, ගොඩක් දවසකට පස්සෙ ඔයා කොහෙද යන්නෙ?

නේහා - good morning හේශාන්, ඇයි ඔයාට මතක නැද්ද? අපි දෙන්නා ගිය සතියෙත් හරියටම මෙතනදි හමුවුණානෙ?

හේශාන් - මට මතකයි නේහා, මං විහිළුවක් කළේ, කියන්නකො කොහෙද යන්නෙ කියලා.

නේහා - මම කැලණිය university එකට යන ගමන්, අද මගේ degree එකේ viva එකක් තියෙනවා.

හේශාන් - ෂා.....ඔයා කැලණිය university එකේද ඉගෙන ගන්නෙ?

නේහා - ඔව්, හැබැයි මම internal degree එකක් නෙවී, external degree එකක් කරන්නෙ.

හේශාන් - කමක් නෑ, මොන මොන විෂයන්ද ඉගෙන ගන්නෙ?

නේහා - මම හින්දී, සිංහල සහ drama කරන්නේ.

හේශාන් - ෂා.....නියමයිනෙ. මගෙන් සුබ පැතුම්.

නේහා - බොහොම ස්තුතියි හේශාන්. මට පරක්කු වෙනවා. මම යන්නම්. bye

හේශාන් - bye නේහා.

03. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और पूछे गये प्रश्नों के उत्तर अपनी हिंदी में लिखिए। (10 अंक)

एक समय की बात है, राजू नाम का एक लड़का अपनी माँ के साथ रहता था। राजू और उसकी माँ बहुत गरीब थे और राजू की माँ अपना गुज़ारा रोज़ कपड़े सिलाई करके करती थी। लेकिन राजू बहुत आलसी था। वह कोई काम नहीं करता था और अपना सारा समय वह समुद्र के किनारे सूरज के नीचे बैठकर गुज़ारता था। इसलिए सभी उसे आलसी कहते थे। उसकी माँ उसे काम करने के लिए कहकर थक चुकी थी। इसलिए एक दिन तंग आकर राजू की माँ ने उसे कहा "अगर तुम अपने खाने के लिए काम करना शुरू नहीं करोगे तो मैं तुम्हें खाना नहीं दूँगी और अपने घर में रहने भी नहीं दूँगी।" यह बात सुनकर राजू को जोश आ गया और अगले दिन वह अपने लिए काम काम तलाशने के लिए पास के एक किसान के पास काम माँगने के लिए गया। काम करने के बाद किसान ने राजू को कुछ पैसे दिये थे। लेकिन घर आते वक्त उससे वह

पैसे रास्ते में गिर गये। घर पहुँचने पर माँ ने राजू को आलसी कहकर पुकारा और कहा "तुम्हें पैसे जेब में रखने चाहिए थे।" माँ की बात सुनकर राजू ने कहा, "मैं अगली बार से यही करूँगा।"

(क) राजू किसके साथ रहता था?

(ख) राजू की माँ अपना गुज़ारा कैसे करती थी ?

(ग) राजू दिन भर क्या करता था?

(घ) एक दिन तंग आकर राजू की माँ ने राजू से क्या कहा था?

(ङ) क्या राजू अपने पैसे घर ले आया ?

04. निम्नलिखित पद्यांश का भावार्थ लिखिए। (20 अंक)

खड़ा द्वार पर लाठी टेके
वह जीवन बूढ़ा पंजर,
चिमटी उसकी सिकुड़ी चमड़ी
हिलते हड्डी के ढाँचे पर।

उसका लंबा डील–डौल है,
हट्टी–कट्टी काठी चौड़ी,
इस खंड़हर में बिजली–सी
उन्मत्त जवानी होगी दौड़ी।

गर्मी के दिन, धरे उपरनी सिर,
लुंगी से ढाँपे तन,
नंगी देह भरी बालों से
वनमानुस–सा लगता वह जन।

भूखा है, पैसे पा, कुछ गुन–गुन,
खड़ा हो जाता वह घर,
पिछले पैरों के बल उठ
जैसे कोई चल रहा जानवर।

05 (क) कक्षा में गुरु और शिष्य के बीच किसी विषय पर होनेवाले संवाद का निर्माण डेढ़ पृष्ठों में कीजिए। (20 अंक)

<u>अथवा</u>

(ख) रास्ते में बहुत दिनों के बाद दो पुराने मित्रों की मुलाकात होती है। इस शीर्षक पर डेढ़ पृष्ठों का एक संवाद बनाइए।

****